स्वतन्त्रता का सकारात्मक दृष्टिकोण (Positive View of Liberty)

व्यक्ति के जीवन पर प्रतिबन्धों के अभाव मात्र से व्यक्ति का विकास सम्भव नहीं है। अतः स्वतन्त्रता के नकारात्मक दृष्टिकोण के स्थान पर 'सकारात्मक दृष्टिकोण' का प्रतिपादन किया जा रहा है। स्वतन्त्रता के इस सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सबसे अधिक प्रबल रूप में थॉमस हिल ग्रीन का नाम जुड़ा हुआ है। बोसांके ने ग्रीन के इन विचारों को ही अपनाया है।

ग्रीन के अनुसार, स्वतन्त्रता न केवल हस्तक्षेप का अभाव मात्र है और न ही मनमानी करने की छूट क्योंकि इसके अन्तर्गत कार्य करने की उस प्रवृत्ति पर ध्यान नहीं दिया गया, जिसमें व्यक्ति की इच्छा सन्तुष्टि प्राप्त करती है। एक ऐसे व्यक्ति को स्वतन्त्र कैसे कहा जा सकता है जो मृत्यु की सीमा तक मद्यपान करता है या जुए द्वारा स्वयं अपने परिवार का विनाश करता है।

ग्रीन के मतानुसार स्वतंत्रता के दो लक्षण हैं।

(i) स्वतन्त्रता एक निश्चित प्रकार के कार्यों को ही करने की सुविधा है, अर्थात् उचित या विधि-विहित कार्यों को करने की, जो हमारी आत्मोन्नति में सहायक हो।

(ii) यह सकारात्मक होती है, अर्थात् वह हस्तक्षेप का अभावमात्र ही नहीं, वरन् ऐसी परिस्थितियों और वातावरण की उपलब्धि है, जिसमें व्यक्तित्व का विकास सम्पन्न हो सके।

सामाजिक सन्दर्भ में, स्वतन्त्रता का अर्थ यह है कि हमें निश्चित प्रकार के उन कार्यों को करने की स्वतन्त्रता मिले, जिनके द्वारा व्यक्ति उस सुख या वस्तु को प्राप्त कर सके, जो सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से प्राप्त करने के योग्य हो और जिसकी प्राप्ति हम समाज के अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर करते है। उदाहरण- विद्यार्थी अपने आपको तब स्वतन्त्र समझते है जब विद्यार्थियों को विद्यालय और महाविद्यालय में मनमाना आचरण करने की छूट हो, किन्तु ग्रीन इसे स्वतन्त्रता नहीं, वरन् उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता मानता है। ग्रीन के मतानुसार विद्यार्थियों की स्वतन्त्रता इसी में

Scanned with CamScanner

निहित है कि वे बड़े मनोयोग से पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन करें, विभिन्न प्रकार के खेलों और व्यायामों में अपने शरीर को सुदृढ़ बनावें तथा चारित्रिक गुणों का विकास करें। इसी प्रकार श्रमिक वर्ग की स्वतन्त्रता अपनी मांगें मनवाने के लिए तोड़-फोड़, हड़ताल या विध्वंसात्मक कार्यवाही करने में नहीं, परन्तु परिश्रम बढ़ाकर अपने देश को समृद्ध बनाने में है।

ग्रीन मानता है कि मनुष्य एक नैतिक प्राणी है, जिसका चरम लक्ष्य अन्य प्राणियों एवं समाज का हित सम्पादन करना है। जो कार्य व्यक्ति के इस उद्देश्य को पूरा करें तथा व्यक्ति के नैतिक और सामाजिक विकास में सहायक हों, उन्हें करने की स्वतन्त्रता है। पुनः व्यक्तियों को कुछ ऐसे कार्य करने में भी श्रमिक सुख की प्राप्ति हो सकती है, परन्तु वे कार्य आत्मा के विकास में बाधक होते हैं। अतः इन कार्यों को उसे न करने देना ही स्वतन्त्रता है। ग्रीन के उपर्युक्त मत को स्पष्ट करते हुए बार्कर ने लिखा है कि अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देने वाली, सद्इच्छा के आदेशों का पालन करने की स्वतन्त्रता ही सच्ची स्वाधीनता हो सकती है। ग्रीन के विचारधारा के अनुसार, स्वतन्त्रता केवल एक साधन है और साध्य है सामाजिक कल्याण में समान योगदान के लिए सबकी शक्तियों को मुक्त करना।

सकारात्मक स्वतन्त्रता

- सकारात्मक स्वतन्त्रता के प्रमुख समर्थकों में रूसो, काण्ट, हीगल, ग्रीन, बोसांके, बॉर्कर, लॉस्की, लिण्डसे, मैकफर्सन आदि विचारकों के नाम उल्लेखनीय है।
- रूसो ने सकारात्मक स्वतंत्रता का समर्थन किया, क्योंकि उनके अनुसार अपनी वास्तविक इच्छा (Real will) के अनुसार कार्य करना ही स्वतंत्रता है।
- हैरॉल्ड जोसेफ लास्की की रचना - A Grammar of Politics (1925) है।

Scanned with CamScanner

• लॉस्की के अनुसार, स्वतन्त्रता का अर्थ ऐसी दशाओं की उपलब्धता से है, जिसमें मनुष्य के विकास का सर्वोत्तम अवसर उपलब्ध हो। अतः स्वतन्त्रता अधिकारों से उत्पन्न होती है।

• लॉस्की के अनुसार, बिना अधिकारों के स्वतन्त्रता नहीं हो सकता है क्योंकि बिना अधिकारों के मनुष्य कानूनों को मानने के लिए बाध्य नहीं हो सकता, जो कि उनके व्यक्तित्व की आवश्यकताओं से संबंधित हो।

• लॉस्की के अनुसार, अधिकार, अवसर व उत्तदायी सरकार स्वतन्त्रता के लिए आवश्यक है।

• आमर्त्य सेन ने अपनी पुस्तक "Development as freedom" (1999) में स्वतन्त्रता का आधार व्यक्ति की क्षमताओं का विकास माना।

• हेरोल्ड के अनुसार, राज्य की आज्ञा का पालन करना ही स्वतन्त्रता है।

• अर्नेस्ट बॉर्कर के अनुसार, स्वतन्त्रता के निम्न तीन रूप है, जो एक-दूसरे के पूरक है।

(i) नागरिक स्वतन्त्रता
(ii) राजनीतिक स्वतन्त्रता
(iii) आर्थिक स्वतन्त्रता

• अटलांटिक चार्टर में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने निम्न चार प्रकार की स्वतन्त्रताओं का वर्णन किया।

(i) अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता
(ii) उपासना की स्वतन्त्रता
(iii) भय से स्वतन्त्रता
(iv) अभाव की स्वतन्त्रता

→ स्वतन्त्रता की इकहरी संकल्पना

• रॉल्स व मैकलॉवेन जैसे विचारकों ने स्वतंत्रता के नकारात्मक व सकारात्मक विभाजन को अस्वीकार कर दिया।

Scanned with CamScanner